EVM hacking is out of question, says Bihar CEO

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Terming the rumours about EVM hacking erupting out from time-to-time, H R Srinivas (IAS), Chief Electoral Officer- Bihar on Monday categorically termed it 'out-of-question' that the EVMs can be hacked. This is because the EVM is a "standalone" machine and is not connected to any network through wire or wirelessly and the software/programme in the OTP Micro-Controller can neither be read nor modified.

Addressing an interaction session with students at Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) today, Srinivas also made a power point presentation show-casing the secured design, development, manufacturing and transportation features of the EVMs (Electronic Voting Machine) and the kind of administrative safeguards being adopted for the EVMs. He was accompanied by Sanjay Kumar Singh (IAS), Additional Chief Electoral Officer. An engineer-turned-bureaucrat Srinivas, who has himself served as an Engineer at Bharat Electronics Limited (BEL) before joining IAS called all such allegations and debates such as Hacked EVM, Chip Replacement, Memory Manipulation, and the like as "mis-conceived" and "impossible". He offered an open invitation to anybody who can come, use whatsoever innovation/technology one can apply and "hack" the EVM! Throwing an estimation before the audience to just estimate the Carbon Foot-Prints generated out of printing of ballot papers in a country having around 80 Crores electorates, the Chief Electoral Officer further said that the Election Commission deserves a Green Nobel Prize for introducing EVMs in the country and saving millions of trees from destruction just for one activity at one point of time. Fielding a volley of questions from the audience, Srinivas demonstrated why the EVMs in India manufactured by ECI (Electronics Corporation of India) are far-far ahead in terms of security features vis-à-vis those used in foreign countries because of its unique features like stand-alone unit, internal data storage not transferrable by any device, End-to-End Security Protocol and administrative safeguards (for the use, storage, transportation and tracking), Administrative and physical security, Voter Verifiability and Auditability of every vote cast, etc.

Morning India Page No-03
Dated:-19/02/2019

ईवीएम के लिए मिले चुनाव आयोग को ग्रीन नॉबेल पुरस्कार : श्रीनिवास

पटना। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना ने सोमवार को बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एच आर श्रीनिवास आईएएस के साथ अपने छात्रों की बातचीत का आयोजन किया। उनके साथ संजय कुमार सिंह आईएएस: अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी भी थे। श्री श्रीनिवास ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) के सुरक्षित डिजाइन, विकास, विनिर्माण और परिवहन की सुविधाओं और ईवीएम के लिए जिस तरह के प्रशासनिक सुरक्षा उपायों को अपनाया जा रहा है, पर विस्तार से चर्चा की। समय-समय पर ईवीएम हैकिंग के बारे में अफवाहों को समाप्त करने के लिए, उन्होंने स्पष्ट रूप से इसे आउट-ऑफ क्वेश्चन करार दिया कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि म्टड एक स्टैंडअलोन मशीन है और वायर या वायरलेस तरीके से किसी भी नेटवर्क से कनेक्ट नहीं है और ओटीपी माइक्रो-कंट्रोलर में मौजूद सॉफ्टवेयर-प्रोग्राम को न तो पढ़ा जा सकता है और न ही संशोधित किया जा सकता है। एक इंजीनियर से नौकरशाह बने श्रीनिवास, जिन्होंने खुद आईऐऐस में शामिल होने से पहले भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में एक इंजीनियर के रूप में कार्य किया है, ने बताया के ईवीएम हैकिंग, चिप रिप्लेसमेंट, मेमोरी मैनिपुलेशन जैसी बाते केवल गलत कल्पना है और ऐसे सभी आरोप और बहस असंभव है।

Aaj Page N0-08
Dated:-19/02/2019

ईवीएम हैकिंग अफवाह से ज्यादा कुछ भी नहीं

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में सोमवार को विद्यार्थियों और बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) एचआर श्रीनिवास के साथ इंटरेक्शन प्रोग्राम हुआ। इस दौरान एचआर श्रीनिवास ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के सुरक्षित डिजाइन के साथ इसके अलग-अलग पहलुओं और प्रशासनिक सुरक्षा उपायों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि ईवीएम हैकिंग एक अफवाह से ज्यादा कुछ नहीं है। ईवीएम की विश्वसनीयता और हैकिंग पर सवाल उठाना ही आउट ऑफ सिलेबस है। उन्होंने कहा कि ईवीएम एक स्टैंड अलोन मशीन है और वायर या वायरलेस, किसी तरीके से, किसी भी नेटवर्क से कनेक्ट नहीं होता है। इसके अलावा ईवीएम के माइक्रो कंट्रोलर में मौजूद सॉफ्टवेयर प्रोग्राम को न पढ़ा जा सकता है और न ही संशोधित किया जा सकता है।

Dainik Bhaskar Page No-08
Dated:-19/02/2019

ईवीएम के लिए आयोग ग्रीन नोबल पुरस्कार का हकदार

पटना | वरीय संवाददाता

श्रीनिवासन बोले

- ईवीएम को हैक करना नामुमकिन है: मुख्य निर्वाचन अधिकारी
- चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के छात्रों के साथ हुई परिचर्चा

बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एच आर श्रीनिवासन ने कहा कि ईवीएम को हैक करना नामुमकिन है। ईवीएम से वोटिंग शुरू कराने को चुनाव आयोग ग्रीन नोबल पुरस्कार पाने का हकदार है।

ये बातें उन्होंने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) के छात्रों के साथ परिचर्चा में कही। उनके साथ अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार सिंह भी थे। श्रीनिवासन ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) की सुरक्षित डिजाइन, विकास, निर्माण प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने इसके लाने-ले जाने और रखरखाव में अपनाई जाने वाले प्रशासनिक सुरक्षा उपायों के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने समय-समय पर ईवीएम हैकिंग के बारे में अफवाहों को बकवास करार दिया। कहा कि किसी भी हालत में इसे हैक नहीं किया जा सकता है। ईवीएम एक स्टैंड अलोन मशीन है और यह वायर या वायरलेस माध्यम से किसी भी नेटवर्क से जुड़ा नहीं है। इसके ओटीपी माइक्रो-कंट्रोलर में मौजूद सॉफ्टवेयर / प्रोग्राम को न तो पढ़ा जा सकता है और न ही संशोधित किया जा सकता है।

आईएएस बनने से पहले वे भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में एक इंजीनियर के रूप में कार्य कर चुके हैं। बताया कि ईवीएम हैकिंग, चिप रिप्लेसमेंट, मेमोरी मैनिपुलेशन जैसी बातें केवल कल्पना मात्र है और ऐसे सभी आरोपों पर बहस असंभव है।

Hindustan Page No-04
Dated:-19/02/2019

इवीएम के लिए चुनाव आयोग को मिले ग्रीन नोबेल पुरस्कार

■ सीआइएमपी में हुई विशेष वर्कशॉप

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में सोमवार को बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एचआर श्रीनिवास के साथ छात्रों की बातचीत का आयोजन किया गया. जिसमें उन्होंने पीपीटी द्वारा इवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) के सुरक्षित डिजाइन, विकास, विनिर्माण व परिवहन की सुविधाओं के साथ इवीएम के लिए जिस तरह के प्रशासनिक सुरक्षा उपायों को अपनाने जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गयी.

ईवीएम के उपयोग से बचे हैं पेड़-पौधे

श्रीनिवास ने मतपत्रों की छपाई से उत्पन्न कार्बन फुट-प्रिंटों का अनुमान लगाते हुए कहा कि चुनाव आयोग इवीएम शुरू करने के लिए एक ग्रीन नोबेल पुरस्कार का हकदार हैं क्योंकि देश में इवीएम शुरू होने के बाद हुए कागज की बचत से लाखों पेड़ कटने से बच सके हैं.

छात्रों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि ईसीआई (इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया) द्वारा भारत में निर्मित इवीएम सुरक्षा सुविधाओं के मामले में बाकी देशों में इस्तेमाल होने वाली इवीएम से बहुत आगे है. क्योकि यह एक स्टैंड अलोन यूनिट है जिसमें आंतरिक डेटा संग्रहण, एंड-टू-एंड सिक्योरिटी प्रोटोकॉल, प्रशासनिक सुरक्षा, मतदाता सत्यापन और प्रत्येक वोट का लेखा-जोखा रखने जैसी अनूठी सुविधाएं मौजूद हैं.

नहीं हो सकती ईवीएम की हैकिंग

श्रीनिवासन ने समय-समय पर इवीएम हैकिंग के बारे में अफवाहों को समाप्त करने के लिए स्पष्ट रूप से इसे आउट-ऑफ-क्वेश्चन करार दिया और कहा कि इवीएम को हैक नहीं किया जा सकता है. क्योंकि ईवीएम एक स्टैंड अलोन मशीन है और वायर या वायरलेस तरीके से किसी भी नेटवर्क से कनेक्ट नहीं है. ओटीपी माइक्रो-कंट्रोलर में मौजूद सॉफ्टवेयर / प्रोग्राम को न तो पढ़ा जा सकता है और न ही संशोधित किया जा सकता है. ज्ञात हो कि श्रीनिवास आइएएस बनने से पहले भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बेल) में एक इंजीनियर के रूप में कार्य कर चुके हैं. उन्होंने बताया कि इवीएम हैकिंग, चिप रिप्लेसमेंट, मेमोरी मैनिपुलेशन जैसी बातें केवल गलत कल्पना है और ऐसे सभी आरोप और बहस असंभव है. उन्होंने किसी को भी एक खुला निमंत्रण दिया कि कोई भी आये और कैसी भी प्रौद्योगिकी का उपयोग कर इवीएम को हैक कर के दिखाएंइ

Prabhat Khabar Page No-22
Dated:-19/02/2019

'ईवीएम के लिए चुनाव आयोग को मिले ग्रीन नोबेल पुरस्कार'

छात्रों के साथ बातचीत में बोले बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) ने सोमवार को बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी एचआर श्रीनिवास, आईएएस के साथ छात्रों की बातचीत आयोजित की। उनके साथ संजय कुमार सिंह, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी भी थे। श्रीनिवास ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से ईवीएम (इलेक्ट्रनिक वोटिंग मशीन) के सुरक्षित डिजाइन, विकास, विनिर्माण और परिवहन की सुविधाओं और ईवीएम के लिए जिस तरह के प्रशासनिक सुरक्षा उपायों को अपनाया जा रहा है, पर विस्तार से चर्चा की। समय-समय पर ईवीएम हैकिंग के बारे में अफवाहों को समाप्त करने के लिए उन्होंने स्पष्ट रूप से इसे आउट-ऑफ क्वेश्चन करार दिया कि ईवीएम को हैक किया जा सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि ईवीएम एक स्टैंडअलोन मशीन है और वायर या वायरलेस तरीके से किसी भी नेटवर्क से कनेक्ट नहीं है और ओटीपीमाइक्रो-कंट्रोलर में मौजूद सफ्टवेयर प्रोग्राम को न तो पढ़ा जा सकता है और न ही संशोधित किया जा सकता है। लगभग 80 करोड़ मतदाताओं वाले देश में मतपत्रों की छपाई से उत्पन्न कार्बन फुट-प्रिंटों का अनुमान लगाते हुए दर्शकों के समक्ष इस अनुमान को प्रस्तुत करते हुए, मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि चुनाव आयोग ईवीएम शुरू करने के लिए एक ग्रीन नोबेल पुरस्कार का हकदार है क्योंकि देश में ईवीएम शुरू होने के बाद हुए कागज की बचत से लाखों पेड़ कटने से बच सके हैं। श्रोताओं के सवालों का जवाब देते हुए, श्रीनिवास ने कहा कि ईसीआई (इलेक्ट्रनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया) द्वारा भारत में निर्मित ईवीएम सुरक्षा सुविधाओं के मामले में बाकी देशो में इस्तेमाल होने वाली ईवीएम से बहुत आगे हैं क्योकि यह एक स्टैडअलोन यूनिट है।

Rashtriya Sahara Page No-05
Dated:-19/02/2019

'Hacking EVMs not possible'

Patna: Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP) organized an interactive session with state's chief electoral officer H R Srinivas on Monday.

Srinivas, who was accompanied by additional chief electoral officer Sanjay Kumar Singh, gave a PowerPoint presentation on the design, development, manufacturing and transportation of electronic voting machines (EVM).

Rubbishing claims of EVM hacking, Srinivas said, "That is not possible as it is a stand-alone machine."

Times of India ! Page.No-02
Dated:19-02-2019